



RE-3221

M. A. (Part - II) Examination

April / May - 2010

Sanskrit : Paper - V

(Alankaras'āstra & Aesthetics)

- (१) भरतनाट्यशास्त्रम् (अ. १) - भरतमुनिः।
(२) काव्यालंकारसूत्रवृत्तिः (प्रथम अधिकरणे अ. १) वामनाचार्यः।
(३) काव्यादर्शः (परिच्छेद-१) - दण्डी।
(४) काव्यालंकार (परिच्छेद-१) - भामहः।

Time : 3 Hours]

[Total Marks : 70/100

सूचना :

(१)

नीचे दृश्याविले निशानीवाणी विगतो उत्तरवही पर अवश्य लभवी. Fillup strictly the details of signs on your answer book.	Seat No. :
Name of the Examination :	<input type="text"/>
<input type="text" value="M. A. (Part - 2)"/>	<input type="text"/>
Name of the Subject :	<input type="text"/>
<input type="text" value="Sanskrit : Paper - 5"/>	<input type="text"/>
Subject Code No. : <input type="text" value="3"/> <input type="text" value="2"/> <input type="text" value="2"/> <input type="text" value="1"/>	Section No. (1, 2,.....) : <input type="text" value="Nil"/>
Student's Signature	

- (२) रेग्युलर विद्यार्थीओ माटे ७० गुण अने अेक्सटर्नल विद्यार्थीओ माटे १०० गुण छे.
(2) Total 70 marks for regular students and 100 marks for external students.

१ 'साहित्य' शब्दनी व्युत्पत्ति, अर्थ अने व्याख्या आपी, साहित्यशास्त्रनी विविध विचारसरणीओ विशे विस्तृत यर्था करो. १४/२०

1 Give etymology, the meaning and definition of 'साहित्य' and discuss fully the different schools of 'साहित्यशास्त्र'. 14/20

अथवा / OR

१ 'साहित्यशास्त्र'नी परिभाषा आपी, साहित्यशास्त्रना प्रवर्तकोमां आचार्य आनंदवर्धन अने आचार्य कुन्तकना मुप्य प्रदान विशे जशावो. १४/२०

1 Write the definition of 'साहित्यशास्त्र' and write the main contribution of आचार्य आनंदवर्धन and आचार्य कुन्तक। 14/20

२ (अ) नीचेनामांथी बे कारिकाओ स्पष्ट रीते समजावो : ८/१२

2 (a) Explain clearly any two of the following Karikas : 8/12

(१) परिगृह्य प्रणम्याश्च ब्रह्मा विज्ञापितो मया।

अथाह मां सुरगुरुः कैशिकीमपि योजय॥

(२) यस्मादनेन ते विघ्नाः सासुरा जर्जरीकृताः।

तस्माज्जर्जर एवेति नामतोऽयं भविष्यति॥

RE-3221]

1

[Contd...

- (३) दृष्ट्वा नाट्यगृहं ब्रह्मा प्राह सर्वान्सुरांस्ततः।
अंशभागैर्भवद्भिस्तु रक्ष्योऽयं नाट्यमण्डपः॥
- (४) न तज्ज्ञानं न तच्छिल्पं न सा विद्या न सा कला।
नासौ योगो न तत्कर्म नाट्येऽस्मिन् यन्न दश्यते॥
- (ब) नीयेनामांथी कोर्ष पश्च ओक पर विवेयनात्मक नोध लपो : ६/८
- (b) Write critical notes on any **one** of the following : 6/8
- (१) नान्दी ह्याशीर्वचनसंयुता ।
- (२) लोकवृत्तानुकरणं नाट्यमेतन्मया कृतम् ।
- ३ नीयेनामांथी कोर्ष पश्च ओ पर विवेयनात्मक नोध लपो : १४/२०
- 3 Write critical notes on any **two** of the following : 14/20
- (१) नाट्यनी उत्पत्ति - सार्ववर्षिक पांयमा वेद तरीके
- (i) Creation of नाट्य as a 'सार्ववर्षिक पञ्चमं वेदम्'।
- (२) नाट्यगृहे मत्तवारिणीस्थापना।
- (३) वामनाआर्यना भते काव्यप्रयोञ्जनी
- (iii) "काव्यप्रयोजनानि" according to Vamanacharya.
- (४) अलंकारशास्त्रमां वामननुं स्थान अने भडत्व.
- (iv) Place and importance of Vamanacharya in Alankaras' āstra.
- ४ नीयेनामांथी कोर्ष पश्च ओ पर नोध लपो : १४/२०
- 4 Write notes on any **two** of the following : 14/20
- (१) काव्यं ग्राह्यमलंकारात् ॥ काव्यालंकारसूत्रवृत्तिः १-१-१ ॥
- (२) शास्त्रतस्ते ॥ काव्यालङ्कारसूत्रवृत्तिः १-१-४ ॥
- (३) आचार्य दंडीनुं कवन
- (3) Works of Acharya दण्डी
- (४) आचार्य दंडीना भते काव्यना दश गुणो.
- (4) Ten गुणा's of Kavya according to Acharya दण्डी।
- ५ नीयेनामांथी कोर्ष पश्च ओ पर विवेयनात्मक नोध लपो : १४/२०
- 5 Write critical notes on any **two** of the following : 14/20
- (१) आख्यायिका कथा इति तस्य प्रभेदौ द्वौ ।
- (२) भूतभाषामयीं प्राहुरद्भुतार्थां बृहत्कथाम् ।
- (३) काव्यं तु जायते जातु
कस्यचित्प्रतिभावतः ।
- (४) वक्राभिधेयशब्दोक्तिरिष्टा वाचामलङ्कृतिः ।